an>

Title: Regarding alleged wrong depiction of Indian History in a TV Serial 'Prithviraj Chauhan' by a Private TV Channel.

श्री राजनारायन बुधौलिया (हमीरपुर, उ0प्र0) : सभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय सदन और सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूं। देश की वीर भूमि बुंदेलखंड में महोबा के मशहूर आल्हा काव्य के नायक आल्हा ऊदल के चरित्र के साथ एक निजी टेलीविजन स्टार प्लस द्वारा प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार और रविवार रात्रि 9 बजे प्रसारित पृथ्वी राज चौहान धारावाहिक में छेड़छाड़ की जा रही है। इस धारावाहिक में बहुत गलत ढंग से महोबा के इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। जिससे उस क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोष व्याप्त है। सभी जानते हैं कि जब पृथ्वी राज चौहान ने महोबा पर चढ़ाई की थी तो एक बार नहीं, छः बार उनकी सेना को परास्त किया गया था। लेकिन आल्हा ऊदल जैसे वीर योद्धाओं द्वारा पृथ्वी राज चौहान की सेना को परास्त करने के बावजूद इस टीवी चैनल ने उनके चरित्र के साथ छेड़छाड़ की है और पृथ्वी राज चौहान से आल्हा ऊदल को हारते हुए दिखाया गया है। ऐसे वीर योद्धा, जिनके बारे में कहा जाता है -

आल्हा ऊदल बड़े लड़ैया, जिनसे हार गई तलवार।

एक को मारे, दो मर जावे तीसरा देख देख मर जाय ।

जाको बैरी सुख से सोवे, ऐसे जीवन को धिक्कार ।

ऐसे आल्हा काव्य के नायक, ऐसे वीर योद्धा के चरित्र से छेड़छाड़ करने वाले स्टार चैनल के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उस विवादित अंश को हटाकर इस धारावाहिक को रोका जाए।

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति जी, मैं राजनारायण बुधौलिया जी के इस विषय के साथ अपने को सम्बद्ध करता हूं।